ब्रजभारती
भाग-1

ब्रज भारती प्रवेशिका
(पहला भाग)

पाठ्यक्रम एवं सामग्री निर्माण विभाग
राज्य संदर्भ केन्द्र
साक्षरता निकेतन, लखनऊ-226 005

ब्रज भारती प्रवेशिका
(पहला भाग)

रचना मण्डल

- डॉ० निरंजन कुमार सिंह
- डॉ० श्यामलाकान्त वर्मा
- डॉ० सरोजिनी कुलश्रेष्ठ
- श्री श्रीनाथ मिश्र
- श्री लायक राम 'मानव'
- श्री श्याम लाल
- श्री विश्वनाथ सिंह
- श्री लीलाधर शर्मा 'पर्वतीय'
- डॉ० त्रिलोकी नाथ ब्रजबाल
- डॉ० नारायण दत्त शर्मा
- श्री सत्यदेव आजाद
- श्री यमुना प्रसाद त्रिपाठी 'धार'
- श्री गणेश शंकर चौधरी

आवरण एवं कला पक्ष

- के० जी० सिंह
- डी० वी० दीक्षित
- आनन्द सिंह

प्रकाशक

राज्य संदर्भ केन्द्र
साक्षरता निकेतन,
लखनऊ-226 005 (उ० प्र०)

मुद्रक
प्रतिभा प्रेस (आफसेट डिवीजन)
नया गाँव, लखनऊ फोन : 247101, 248383

जनवरी, 1990

इस प्रवेशिका के सम्बन्ध में

राष्ट्रीय साक्षरता मिशन के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु साक्षरता निकेतन ने उत्तर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के लिए उनके परिवेश से सम्बन्धित साक्षरता की मानक सामग्री का निर्माण किया है। यह ब्रज भारती' प्रवेशिका इसी क्रम की अगली कड़ी है।

राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम की विषय-वस्तु एवं मानकों की अपेक्षा राष्ट्रीय साक्षरता मिशन में कुछ नए आयाम जोड़े गए हैं। उनमें एक महत्त्वपूर्ण और विचारणीय मानक है—विभिन्न क्षेत्रों की स्थानीय बोलियों में पठन-पाठन सामग्री का निर्माण करना। इस विषय में विद्वानों, विशेषज्ञों और प्रौढ़ शिक्षा शास्त्रियों के बीच विस्तृत विचार-विनिमय हुआ। अनेक भाषा शास्त्री इस बात पर विशेष बल देते हैं कि पठन-पाठन सामग्री यदि स्थानीय बोली में निर्मित की जाय तो पढ़ने वाले जल्दी सीखेंगे और अपने परिवेश से सम्बन्धित होने के कारण पढ़ने-लिखने में रुचि लेंगे।

कुछ लोगों ने यह जिज्ञासा प्रकट की कि जब शिक्षार्थी को मानक भाषा में ही कार्यात्मक दक्षता प्राप्त करनी है तो स्थानीय बोली के माध्यम से भाषा का ज्ञान उन्हें क्यों न कराया जाय। इस सम्बन्ध में साक्षरता निकेतन ने पहले कुछ प्रयोग किए थे। उन प्रयोगों के आधार पर यह स्थिति सामने आई कि स्थानीय बोली में भाषा जल्दी सीखी जा सकती है, क्योंकि निरक्षर प्रौढ़ उसमें मौखिक अभिव्यक्ति की क्षमता विकसित कर चुके हैं। उसका प्रयोग वह दैनिक जीवन में करते हैं, इसलिए उन्हें इसके माध्यम से मानक भाषा की दक्षता प्राप्त करने में सरलता हो सकती है। निकेतन में मिशन द्वारा निर्धारित मानकों पर प्रवेशिका निर्माण-सम्बन्धी कई गोष्ठियाँ आयोजित की गईं। विस्तृत विचार-विनिमय के उपरान्त यह निष्कर्ष निकला कि वर्णमाला का ज्ञान एवं उपयोग स्थानीय बोली की विषय-वस्तु के परिप्रेक्ष्य में कराया जाय, तदुपरान्त भाषा और गणित की कार्यात्मक दक्षता मानक भाषा में धीरे-धीरे पैदा की जाय। शिक्षा शास्त्रियों ने इस प्रवेशिका में स्थानीय बोली और मानक भाषा का अनुपात तीन चौथाई और एक चौथाई रखा है।

'ब्रज भारती' प्रवेशिका की कुछ विशेषताएँ हैं, (अ) यह ब्रज क्षेत्र के जीवन पर आधारित है तथा वहाँ के प्रौढ़ों की रुचियों, आवश्यकताओं और समस्याओं को सम्मुख रखकर लिखी गई है। ब्रज भाषा के साथ-साथ इसकी विषय-वस्तु ब्रज की संस्कृति और वहाँ के आर्थिक, सामाजिक, साँस्कृतिक और ऐतिहासिक परिवेश पर आधारित है। (ब) ब्रज भाषा हिन्दी साहित्य और संस्कृति की प्रमुख भाषा रही है, विशेषकर पद्य साहित्य में। गद्य साहित्य का प्रचार-प्रसार अथवा उसका उपयोग उतना नहीं हुआ। यह प्रवेशिका ब्रज भाषा के गद्य स्वरूप को प्रस्तुत करने में समर्थ होगी तथा साक्षरता के प्रचार-प्रसार का माध्यम बनेगी। (स) ब्रज क्षेत्र में इस भाषा के कई रूप हैं। बोलने, समझने और चर्चा करने आदि में क्षेत्र के अनुसार क्रियाओं के अनेक रूप मिलते हैं, किन्तु भाषा शास्त्रियों ने जिस रूप को प्रौढ़ के लिए समीचीन समझा, वह इस प्रवेशिका में अपनाया गया है। (द) यह प्रवेशिका ब्रज क्षेत्र में ही निर्मित की गई है। इसके निर्माण में ब्रज भाषा के विशेषज्ञों,विद्वानों,वहाँ के साहित्य मर्मज्ञों तथा प्रौढ़ शिक्षा के कार्यकर्ताओं ने सहयोग दिया। ब्रज भाषा और संस्कृति के विकास तथा उत्थान में संलग्न कुछ शैक्षिक संस्थाओं तथा साधकों ने भी इस प्रवेशिका के निर्माण में अपना बौद्धिक और वैचारिक सहयोग प्रदान किया।

प्रवेशिका के निर्माण के लिए हम श्री ईश्वर शरण गौड़, प्रौढ़ शिक्षा निदेशक, उत्तर प्रदेश के अत्यन्त आभारी हैं, जिन्होंने ब्रज क्षेत्र में उपस्थित होकर हमें बहुमूल्य परामर्श दिया। ब्रज क्षेत्र के ही निवासी डॉ० त्रिलोकी नाथ ब्रजबाल, डॉ० सरोजिनी कुलश्रेष्ठ, डॉ० नारायण दत्त शर्मा, श्री श्रीनाथ मिश्र एवं श्री सत्यदेव आजाद आदि विद्वानों के हम विशेष आभारी हैं, जिन्होंने इस प्रवेशिका के निर्माण में अपना योगदान दिया। पठन-पाठन सामग्री निर्माण विभाग को जो विद्वान प्रत्येक स्तर पर सहयोग देते रहे हैं, उनमें डॉ० एन० के० सिंह, श्री लीलाधर शर्मा 'पर्वतीय' एवं डॉ० श्यामलाकान्त वर्मा प्रमुख हैं। हम इनके विशेष आभारी हैं। पठन-पाठन सामग्री निर्माण विभाग के सर्वश्री वी० एन० सिंह, यमुना प्रसाद त्रिपाठी 'धार', श्याम लाल एवं लायक राम 'मानव' तथा स्क्रीन प्रिंटिंग इकाई के सर्वश्री के०जी० सिंह, डी० वी० दीक्षित एवं आनन्द सिंह ने अथक परिश्रम करके इसका रूप उजागर किया।

आशा है कि ब्रज क्षेत्र में राष्ट्रीय साक्षरता मिशन के उद्देश्यों की पूर्ति में यह प्रवेशिका महत्त्वपूर्ण योगदान देगी।

गणेश शंकर चौधरी
निदेशक

दिनांक : जनवरी 23, 1989

नए संस्करण की भूमिका

साक्षरता निकेतन द्वारा क्षेत्रीय आधार पर निर्मित सभी प्रवेशिकाओं का व्यापक प्रयोग और स्वागत हुआ है। राष्ट्रीय साक्षरता मिशन की स्थापना के उपरांत प्रौढ़ शिक्षा के उद्देश्य और कार्यक्रम में कई महत्त्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं। ये परिवर्तन क्षेत्रीय अध्ययन, अनुभवों, प्रवर्तन एवं मूल्यांकनों पर आधारित हैं। पाठ्यक्रम एवं सामग्री निर्माण पर भी इन परिवर्तनों का प्रभाव स्वाभाविक है।

अतः सभी प्रवेशिकाओं को नई नीति के अनुसार एकीकृत रूप में संशोधित एवं पुनर्निर्मित किया गया है। कुछ नई प्रवेशिकाएँ भी बनाई गई हैं। इस 'ब्रज भारती' प्रवेशिका के नवीन संस्करण की कुछ विशेषताएँ इस प्रकार हैं :–

- यह भारत सरकार एवं प्रौढ़ शिक्षा निदेशालय नई दिल्ली द्वारा प्रस्तावित एकीकृत विद्या के मानकों पर आधारित है।

- साक्षरता अथवा गणित का भार नवीन मानकों के अनुसार जहाँ अधिक अनुभव हुआ, वहाँ इस संस्करण में कम किया गया है।

- अभ्यास पुस्तिका तथा गणित को प्रवेशिका के साथ ही संलग्न किया गया है।

प्रत्येक 4 पाठों के उपरान्त एक जाँच पत्र दिया गया है। प्रवेशिका के अन्त में सम्पूर्ण प्रथम भाग के लिए एक मूल्यांकन पत्र है , जिसमें साक्षरता पढ़ाई लिखाई, गणित सम्बन्धी दक्षता की जाँच हेतु जाँच पत्र दिए गए हैं। अन्त में प्रमाण पत्र का प्रारूप भी है।

प्रवेशिका के पुनःनिर्माण में डॉ० टी० आर० सिंह, डॉ० धर्म सिंह, श्री वीरेन्द्र मुलासी, श्री लायक राम 'मानव', श्री श्यामलाल तथा पाठ्यक्रम एवं सामग्री निर्माण विभाग के अध्यक्ष श्री विश्वनाथ सिंह ने अथक परिश्रम किया। उत्तर प्रदेश सरकार की प्रौढ़ शिक्षा सचिव तथा निदेशक श्रीमती रीता सिन्हा ने हर स्तर पर हमें परामर्श एवं निर्देशन देकर इस कार्य को गरिमा प्रदान की। हम उनके आभारी हैं।

आशा है, इस प्रवेशिका के माध्यम से प्रौढ़ को साक्षरता, व्यावसायिक दक्षता एवं चेतना जागृति सम्बन्धी आयामों को आत्मसात् करने में अधिक सुविधा होगी। साथ ही,प्राप्त दक्षताओं की परीक्षा और परिलेख सम्बन्धी कार्य कलाप भी सुविधापूर्वक सम्पन्न किए जा सकेंगे।

आशा है,आप अपने बहुमूल्य सुझाव देकर हमें कृतार्थ करेंगे।

शिव दत्त त्रिवेदी
निदेशक, रा० सं० केन्द्र
साक्षरता निकेतन, लखनऊ

दिनांक:5-9-1989

ब्रज भारती

पहला भाग
(पाठ इकाई विवरणिका)

पाठ संख्या	मूल शब्द	वर्ण/मात्राएँ	गणित	राष्ट्रीय साक्षरता मिशन में इंगित प्रेरणादायी कार्यक्रम	विषय एवं चर्चा बिन्दु
1.	रासलीला	र ा स ल ी	—	धार्मिक तथा साँस्कृतिक कार्यक्रम	साँस्कृतिक पक्ष
2.	राधा मोहन	ध म ो ह न	1 की गिनती	चेतना जागृति	सामाजिक एकता
3.	गैया बछरा	ग ै य ब छ	2 से 3 तक गिनती	कार्यात्मक शिक्षा, कौशल-विकास, आर्थिक कार्यकलाप	पशुपालन : गो-पालन से लाभ

जाँच पत्र-1 (पाठ 1 से 3 तक के लिए)

पाठ संख्या	मूल शब्द	वर्ण/मात्राएँ	गणित	राष्ट्रीय साक्षरता मिशन में इंगित प्रेरणादायी कार्यक्रम	विषय एवं चर्चा बिन्दु
4.	कदम करीलकुंज	क द ु ं ज	4 से 5 तक गिनती	चेतना जागृति	वृक्षारोपण : सामाजिक वानिकी
5.	डोरी निवाड़ कंठी माला	ड ि व ड़ ठ	6 से 10 तक गिनती	कार्यात्मक शिक्षा, कौशल-विकास, आर्थिक कार्यकलाप	गृह उद्योग : डोरी, निवाड़ एवं कंठी माला बनाने का कार्य
6.	गोबरधनपूजा भैयादूज झूला	प ू भ झ	11 से 15 तक गिनती	धार्मिक तथा साँस्कृतिक कार्यक्रम	त्योहारों का महत्व

जाँच पत्र-2 (पाठ 4 से 6 तक के लिए)

पाठ संख्या	मूल शब्द	वर्ण/मात्राएँ	गणित	राष्ट्रीय साक्षरता मिशन में इंगित प्रेरणादायी कार्यक्रम	विषय एवं चर्चा बिन्दु
7.	मथुरा घाट सफाई	थ घ ट फ ई	16 से 20 तक गिनती	स्वास्थ्य से सम्बन्धित	स्वच्छता : स्वच्छता का महत्व, परिवेश की स्वच्छता
8.	अभ्यास पाठ (कविता)	—	21 से 30 तक गिनती	साँस्कृतिक कार्यक्रम	साँस्कृतिक पक्ष
9.	आनंदी औतार खुरपिया	आ औ त ख	31 से 40 तक गिनती	चेतना जागृति	स्त्री-पुरुष समानता
10	कलेऊ अंकुरित चना	े ऊ अं च	41 से 50 तक गिनती	स्वास्थ्य से सम्बन्धित	स्वास्थ्य : पौष्टिक आहार

जाँच पत्र-3 (पाठ से 1 से 10 तक के लिए)

प्रमाण-पत्र

पाठ-1

रासलीला

रा स ली

र	रस
ा	रार
स	सास रास सरस सारस
ल	लाल लला लाला रसाल
ी	लली लाली लीला रसीला

सरल सरला रसीली सीरी

रास

सरस रास

लला लला रास

लली लली सरस रास

अभ्यास-1

1. पढ़ौ :

र	रा	री	रस	रास	रसीली
स	सा	सी	सरस	सारस	सीरी
ल	ला	ली	लला	लाल	लली

2.1. लिखौ :

र र ___ ___

स स ___ ___

ल ल ___ ___

2.2. लिखौ :

सरल ________ सारस ________

लला ________ लली ________

राधा मोहन

ध मो ह न

ध	धरा	धारा	साध	धीर
म	मामा	माली	मीरा	मसाला
ो	मोर	मरोर	लोरी	मसोस
ह	हल	हीरा	सहारो	होरी
न	नल	नाम	सलोना	मान

सीधा धन माला धीमा नीम
रोर महल मोह होम मनमोहन
होला सोहर नाली नर नारी
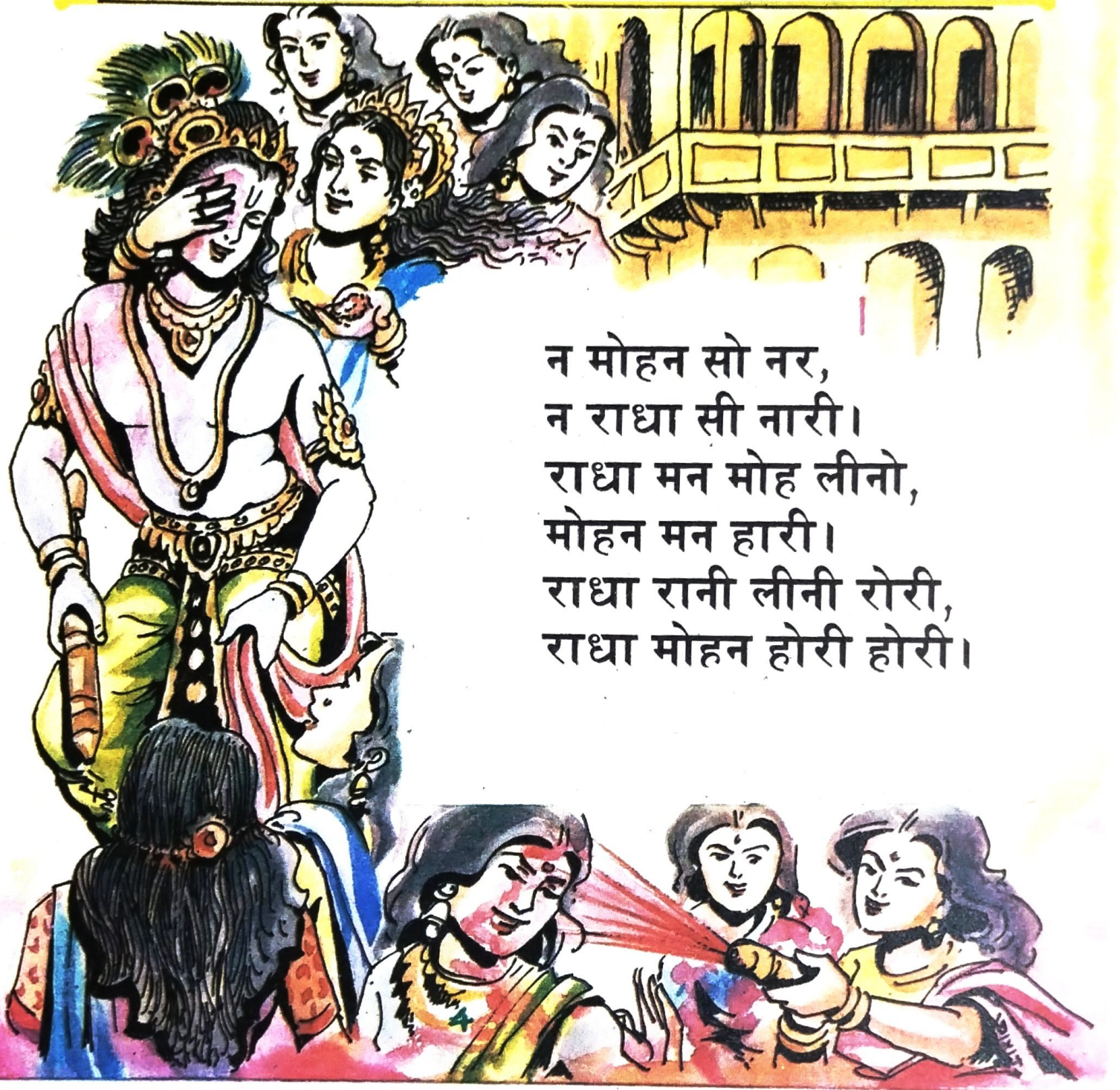
न मोहन सो नर,
न राधा सी नारी।
राधा मन मोह लीनो,
मोहन मन हारी।
राधा रानी लीनी रोरी,
राधा मोहन होरी होरी।

अभ्यास-2

पढ़ौ :

1.1. र स ल ध म ह न

1.2. रा सा ला धा मा हा ना

री सी ली धी मी ही नी

रो सो लो धो मो हो नो

1.3. धार नर हरा होली

महल नीम मनोरम सोना

लिखौ :

2.1. ध ___ ___ ___ ___ ___ ध

म ___ ___ ___ ___ म

ह ___ ___ ___ ___ ह

न ___ ___ ___ ___ न

2.2.पढ़ौ औरु लिखौ :

लोरी	______	माला	______
होम	______	होरी	______
धर	______	सहारो	______
नीला	______	मनोहारी	______

3. गिनती सीखौ औरु लिखौ :

1 1 ....

....
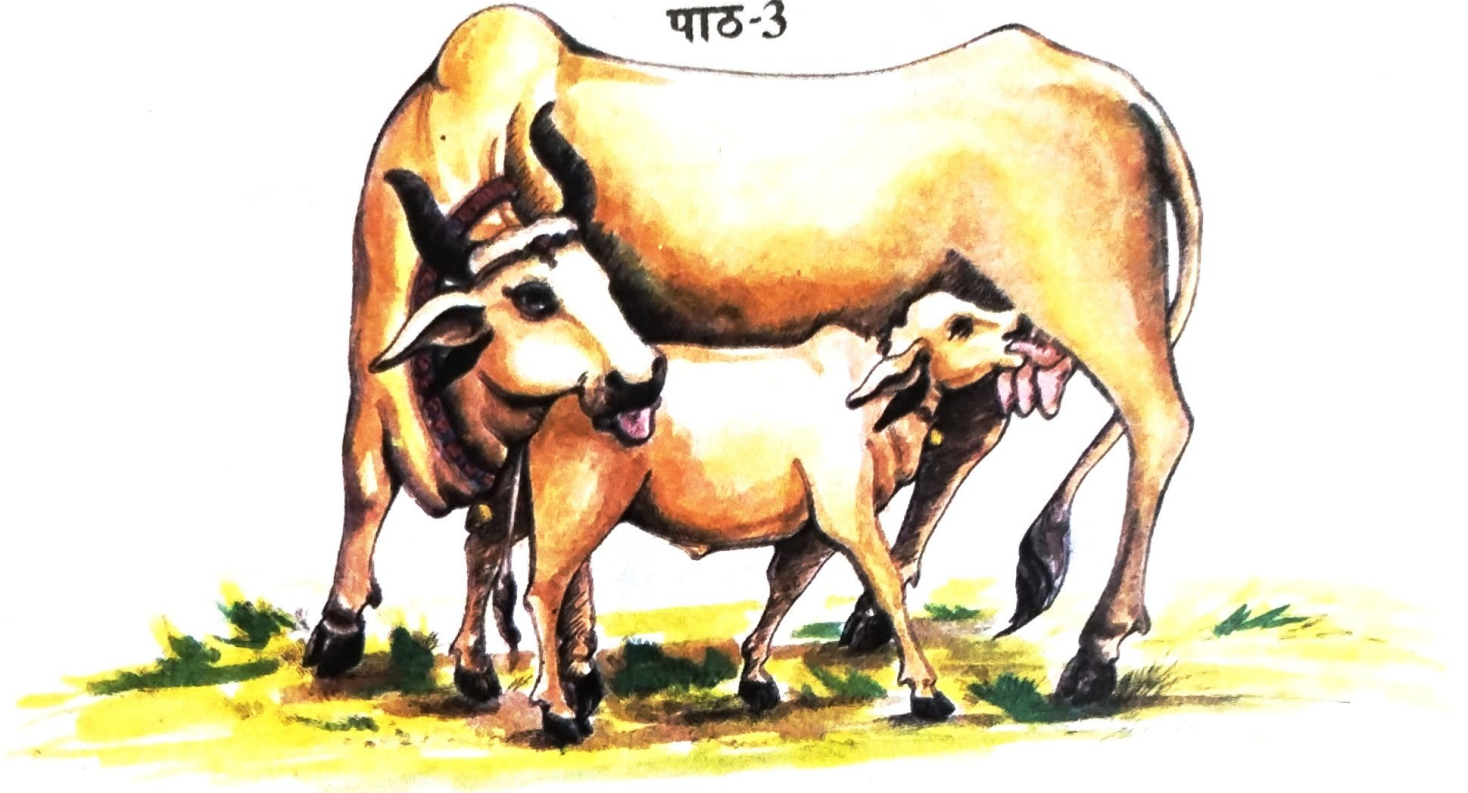
गैया बछरा

ग ै य ब छ

ग	गली	गाना	गोधन	गहना
ै	गैल	मैना	सैन	हैरानी
य	यम	धाय	मैया	नैया
ब	बल	बाबा	बीर	बासन
छ	छन	छमा	छोरी	छाछ

गाम गारी गोरी छोरी छोरा
नैन रैन माय बस बोरा
बहना बाग बीस बोल छैल-छबीली

छोरी री छोरी,
छैल छबीली छोरी।
गोरी री गोरी,
छैल छबीली गोरी।
गा री गा,
गली गली गा।
गोरी री गोरी,
छैल छबीली छोरी।

राधा बोली–
बहना री बहना।
रैन है गयी,
गैया बछरा ला।

अभ्यास-3

1. पढ़ौ :

ग गा गी गो गै गगरा गैल

य या यी यो मैया माय

ब बा बी बो बै बीस बैल

छ छा छी छो छै छोरा छीर

2.1. लिखौ :

ग					ग
य					य
ब					ब
छ					छ

2.2. पढ़ौ औरु लिखौ :

गाय ______ गैल ______

बारी ______ बोरी ______

छीर ______ रीछ ______

लायी मोरी मैया।
छैल छबीली गैया।

---

3. गिनती सीखौ औरु लिखौ :

जाँच पत्र-1 (पाठ 1 से 3 तक के लिए)

1. नीचे कै चौखटान मै जौ कछु लिखौ ए, आगे कै सब्दान मै वाको पहिचानिकै वाके ऊपर सही कौ निसान बनावौ :

स	रास	लाला	महल	सरस
ल	रसाल	सरस	हल	बल
म	बाबा	मसाला	नाम	धारा
ह	मोहन	बाग	बहना	गहना
ग	गली	बीर	गहना	बाग
ब	बल	बस	बछरा	रस

2. पढ़ौ :

लीला सास मोर सलोना

मैना छोरी गोधन छाछ

राधा बोली–

बहना री, बहना

रैन है गयी, गैया बछरा ला।

3. समान सब्दान कौ रेखा सै मिलावौ :

मोहन	**लीला**
सोहर	**गैया**
लीला	**मोहन**
गैया	**सोहर**

4. लिखौ :

लला	**लाली**	**होरी**	**मरोर**
________	________	________	________
समोसा	**नानी**	**हैरानी**	**मनमोहन**
________	________	________	________

5. ा, ी, ो औरु ै जोरिकै सब्दान कूँ पूरो करौ :

···मना   सल···ना   रस···ली   र···धा

6. 1 से 3 तक की गिनती लिखौ :

________ ________ ________

कदम करीलकुंज

क द ु ं ज

क	कल	काम	कीर	कोयल
द	दल	दादी	कदली	बादर
ु	सुर	कुबरी	गुरु	करछुल
ं	रंग	कंस	दंगल	बंसी
ँ	बाँसुरी	पाँसुरी	लहँगा	हँसुली
ज	जग	जननी	जसोदा	जुगाली

सिखाएँ- ँ का प्रयोग, उच्चारण तथा र + ु = रु।

मलंग फाँस नंदलाल दुकान कछार
हँसी जनम जमुना दही कारोबार
कान जोरी रुमाल हंस काँस
बाँस मजीरा गुलाल कजरी जंगल

मोहन गैया बछरान को बन मै लै जायौ करै। कछारन मै जायो करै। नंदलाल बाँसुरी बजायो करै।

करील कुंजन मै कीर बोलैं, मोर बोलैं, कोयल मधुर-मधुर बोल बोलैं। सरोवर मै हंसन की जोरी रहो करै।

बाँसुरी बजो करै। कीर, मोर बोलो करैं। कोयल कुहुक-कुहुक बोल सुनायो करै। जंगल में मंगल होबै करै।

अभ्यास-4

1.1. नीचे लिखे सब्दान मै सै क, द, औरु ज कूँ पहचानिकै बाके नीचे लकीर खींचौ:

क	कछार	कारागार	कसैला	कब
द	दसन	बदरा	दही	दाद
ज	जमुना	जहाज	जनम	कजरी

1.2. पढ़ौ :

कोयल	कछार	कीर	कंद
दादी	बंद	दंगल	बंदर
लहँगा	हँसुली	हँसी	गंगा
मंजीरा	जोरी	जहाज	जल

2.1. लिखौ :

क

द

ज

2.2. ं, ँ औरु ु जोड़िकै पढ़ौ औरु लिखौ :

ं कुज मगल कलक

ँ लहगा बासुरी हसी

ु मधर करछल हनमान

2.3. पढ़ौ औरु लिखौ :

मोहन कर बाँसुरी राजै।
मोहै मन मधुर-मधुर बाजै।

3. गिनती सीखौ औरु लिखौ :
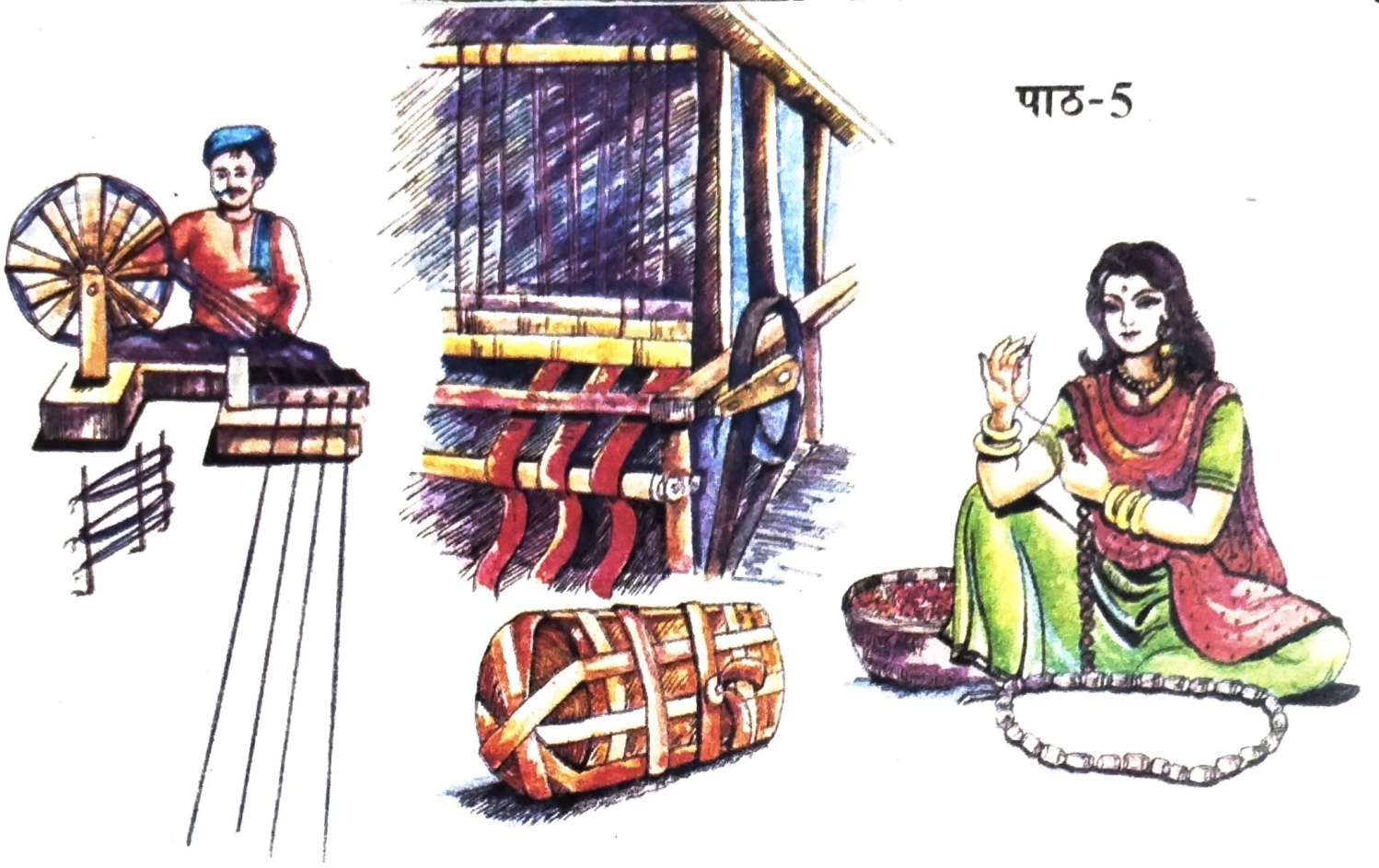
डोरी निवाड़ कंठीमाला

ड ि वड़ ठ

ड	डगर	डार	डंडा	डोकरी
ि	रसिया	किसोरी	बिछिया	पनिहारिन
व	वन	सावन	दावानल	साँवरिया
ड़	किवाड़	सड़क	लकड़ी	ककड़ी
ठ	ठसक	ठाकुर	छठी	कठुला

डलिया	ठाँव	ठकुरानी	कोठा	गाड़ी
डोली	बावरी	लड़का	हँसिया	जाड़ा
दानव	डोरा	लावनी	छछिया	माधव

कामहि कंठी, कामहि माला

बिहारी, निवाड़ कारीगर सै लै लै। डोरी की लरी करवाय लै। सलमा कूँ बुलवाय कै कपड़ा बुनवा दुकान मै धरवाय दै। बिकरी होयगी।

धन सै कारबार कर। ठाली मत बैठ। समै मत गँवा। कछु ना कछु कर। धींगा-धींगी ठीक नाँय। बन मै करीलकुंज बिसराय कदम, नीम बुबवाय कै धन कमा। ठाठ सै रह। कंठीमाला छाँड़िकै काम कर। कंठीमाला डोकरा-डोकरीन कूँ रहन दै।

"कामहि कंठी है, कामहि माला है।"

अभ्यास-5

1. पढ़ौ :

बाँसुरी कुबरी कारोबार मलंग
डिबिया किसोरी छठी कालिया

2.1. लिखौ :

ठ ठ
ड ड
व व
ड़ ड़

कछार
जसोदा
हँसुली
डिबिया

2.2. 'ि' लगाकर पढ़ौ औरु लिखौ :

डा ˙ कया ________ ________ ________

˙˙ गरधर ________ ________ ________

म ˙ नहारी ________ ________ ________

3. गिनती सीखौ औरु लिखौ :

6 6 ------ ------ ------

7 7 ------ ------ ------

8 8 ------ ------ ------

9 9 ------ ------ ------

10 10 ------ ------ ------

पाठ-6
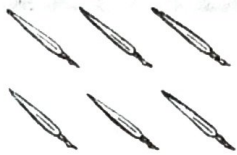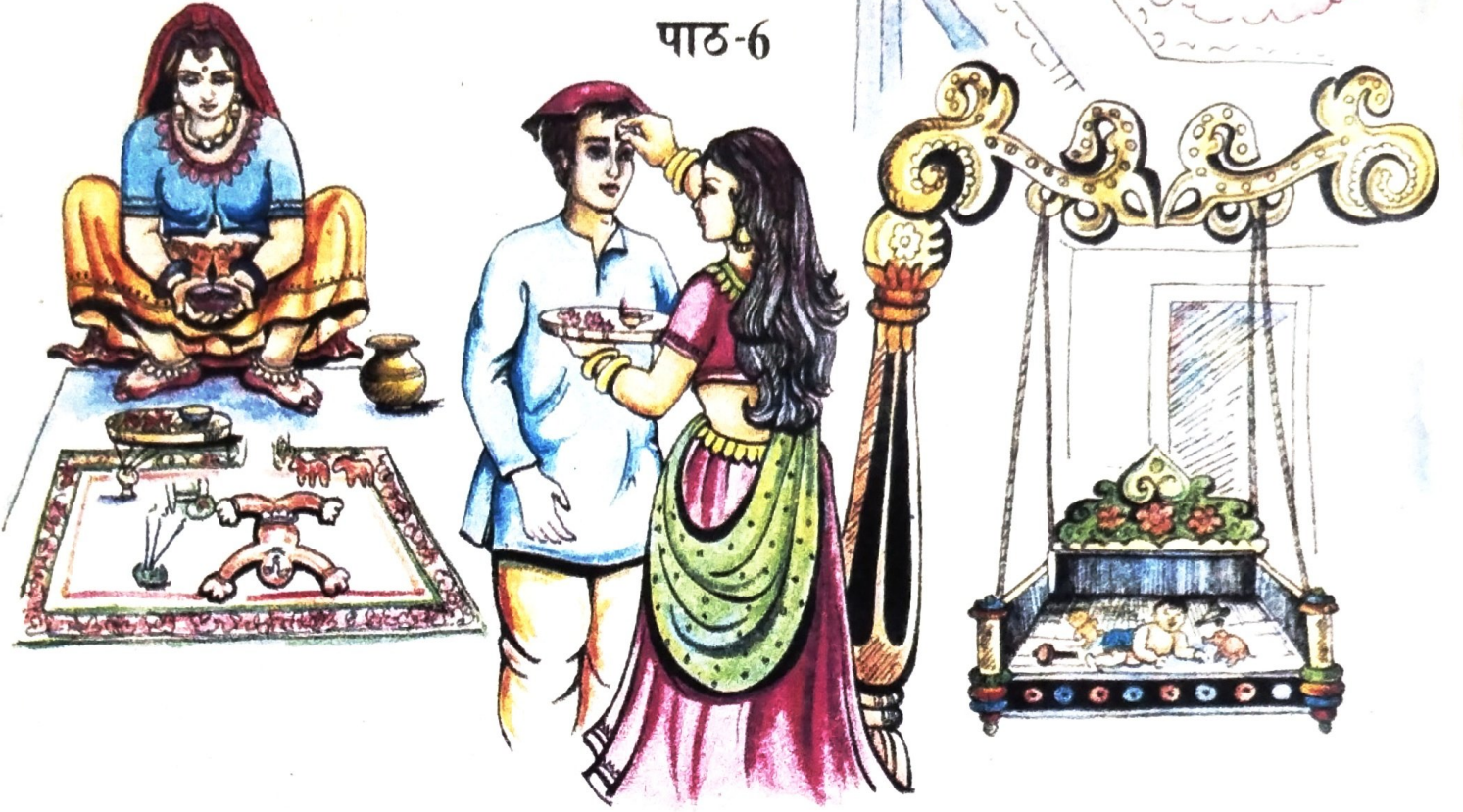
गोबरधनपूजा भैयादूज झूला

प ू भ झ

प	पल	पीपल	पपीहा	पाहुन
ू	पूजा	गूजरी	नूपुर	सूरदास
भ	भला	भीर	भोर	भैना
झ	झबला	साँझी	झूमर	झिलमिल

भूल	रूखा	रूठना	जरूरी	डमरू
पिछाड़ी	झंडा	झींगुर	मझोला	पीला
मूँग	भाभी	छूँछा	पैसा	मूरी
पाला	धूल	दूध	भरपूर	झरना

दिवारी

दिवारी पै दीपक जरैं। दिवारी बाद गोधन बनायो जाय। गोधन बनाय वापै दूध की धार डारी जाय। गोधन की पूजा मै गैया-बछरा हूँ पुजैं।

दिवारी संगहि भैया-दूज मनायी जाय। भैया-दूज पै भैया-भैन जमुना मै संग-संग नहावैं। जाय जम दुतिया कहैं। जम दुतिया भैया-भैन कौ दिना मानो जाय।

सावन मास झूला परैं। बालक-बालिका नीम पै झूला डारि झूलो करैं। मलहार गाय कैं झोटा दियौ करैं -

"सावन हमैं न सुहाय, सुधि लागी मोय बीर की।"
भादों मास जनम दिना पै भगवान हूँ पालना झूलैं।

सिखाएँ – र + ू = रू, जैसे-रूप।

अभ्यास-6

1. लिखौ :

प					प	___	___
भ					भ	___	___
झ					झ	___	___

2.1. मात्रान कूँ जोरिकै लिखौ औरु पढ़ौ :

	क	ज	ठ	द	प	म	र	व	ह
ा	का								
ि	कि								
ी	की								
ु	कु								
ू	कू								
ै	कै								
ो	को								

2.2. पढ़ौ औरु लिखौ :

सावन झूला परि गयो, झूलैं किसन मुरार।
बंसी की धुनि सुनि परै, नूपुर की झनकार।।

____

____

3.1. गिनती सीखौ औरु लिखौ :

11 12 13 14 15

____ ____ ____ ____ ____

____ ____ ____ ____ ____

3.2. नीचे लिखी गिनितान मै जो कछु छूटि गयौ ए, वाये पूरो करौ :

1		3		5
	7	8		10

जाँच पत्र-2 (पाठ 4 से 6 तक के लिए)

1. पढ़ौ :

कुबरी कदली किसोरी ठाकुर

पीपल सूरदास मैना दिवारी

दिवारी पै दीपक जरैं। दिवारी बाद गोधन बनायो जाय। गोधन की पूजा मै गैया-बछरा हूँ पुजैं।

2. लिखौ :

मूँग डमरू भोर गूजरी

______ ______ ______ ______

छछिया छठी दुकान नंदलाल

______ ______ ______ ______

3. ि, ु और ू जोरिकै सब्दान कूँ पूरो करौ :

र सया गजरी दकान

4. चित्रान कूँ देखिकै वाकै नाम लिखौ :

________ ________ ________ ________
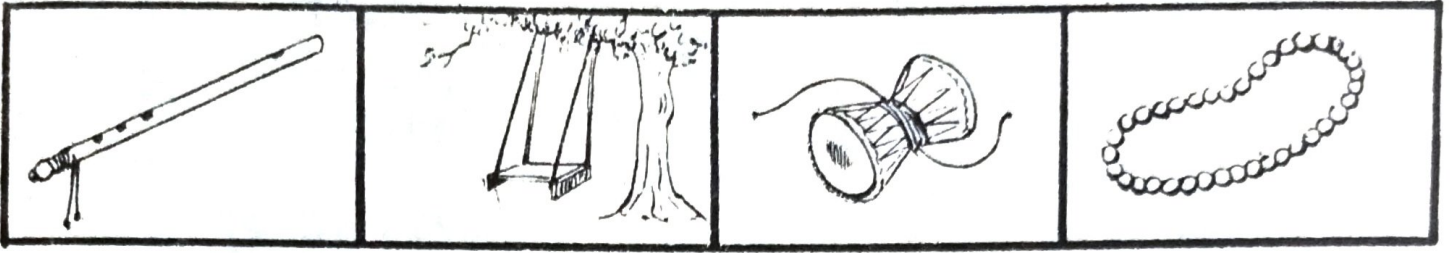
5. नीचे लिखी गिनतान मै जो कछु छूटि गयो ए, वाये पूरो करौ :

6 _____ 8 _____ 10

_____ _____ 13 _____ 15

6. 1 सै 15 तक गिनती लिखौ :

1		
		15

मथुरा घाट सफाई

थ घ ट फ ई

थ	थन	थान	कथा	मथानी
घ	घर	घानी	घोसला	घुँघरू
ट	टाट	टोकरी	मटकी	पटवारी
फ	फल	फूल	फागुन	फैसला
ई	ईद	ईंधन	सगाई	भाई

नथुनी	घी	टैंटी	मुनाफा	घाघरा
ईंगुर	हाथी	नथ	थिरकन	साथी
घटा	कटोरी	मिठाई	लुगाई	ईंट
रथ	घोल	घंटा	फंदा	फुलवारी

जमुना-जल

जमुना घाट सुंदर लगैं।
घाटन मैं बिसराम घाट बड़ौ सुंदर। वापै साँझ कूँ घी कौ दीपक जरै, घंटा बजै। जमुना जल मै दीपक सिरैं, सुंदर लगैं। जमुना मै नाव डोलैं। बड़े भोर लोग जमुना जल मै नहावैं। सूरज कूँ जल दैवैं।

पर जमुना जल पहलो जैसो नाँय। गंदलो है रहौ है। साड़ी-छपायी कै कारन या जल कौ रंग हूँ बदल गयौ ए। सहर की नालिन कौ मैलौ पानी जामै पड़ै। गंदलो पानी सों हानी ही हानी। जमुना जल साफ रखिबै कूँ सरकार कोसिस मै जुटि गयी ऐ। सबकी मदद सों जल साफ है जायगो।

अभ्यास-7

1.1. लिखौ :

थ	थ	थ	थ	____	____
घ	घ	घ	घ	____	____
ट	ट	ट	ट	____	____
फ	प	फ	फ	____	____
ई	इ	ई	ई	____	____

1.2. पढ़ौ औरु लिखौ :

थैला	____	फुलवारी	____
घुँघटा	____	ईंधन	____
पटवारी	____	टकसार	____
सगाई	____	फागुन	____

1.3. चित्र दैखिकै वाकौ नाम लिखौ :
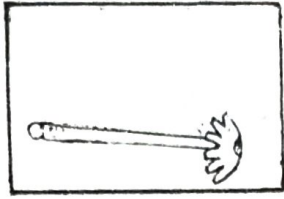
2. समान सब्दान कौ रेखा सै मिलावौः

घोंसला	**लुगाई**
नथुनी	**रथ**
लुगाई	**नथुनी**
रथ	**घोंसला**

3.1. गिनती सीखौ औरु लिखौ :

16 17 18 19 20

____ ____ ____ ____ ____

____ ____ ____ ____ ____

रास-रस

डोल रही हैं राधा सोनी,
सजि साँवरिया संग।
कुंजन बोलैं मोर पपैया,
रस कालिंदी लंग।।

घाट-घाट पै गैया बछरा,
जन-जन कूँ हरसामै।
कदम डाल पै झूला परि गये,
माधव मधु मुसकामै।।

– सत्यदेव आजाद

अभ्यास-8

1.1. पढ़ौ औरु लिखौ :

ई	क	ग	घ	छ
___	___	___	___	___
ट	ठ	ड	द	ध
___	___	___	___	___
फ	ब	भ	म	य
___	___	___	___	___

1.2. नीचे लिखी कविता मै जो कछु छूटि गयो ऐ, वाये पूरो करौ :

घाट-घाट पै ------ बछरा,
जन-जन कूँ ------- ।
कदम डाल पै ------- परि गये,
माधव ------- मुसकामै।

2.1. गिनती सीखौ औरु लिखौ :

21 22 23 24 25 26 27 28 29 30

___ ___ ___ ___ ___ ___ ___ ___ ___ ___

पाठ-9

आनंदी औतार खुरपिया

आ औत ख

आ	आम	आलू	आँवला	बथुआ
औ	औरु	औलाद	औजार	औघड़
त	तगड़ी	तीज	तोतली	पतीली
ख	खबर	खीर	माखन	राखी

पुआल खोआ तंबूरा नटखट
आजादी तीर मोती खिड़की कबूतर
कछुआ पीतल सखी आँचर धतूरा
आसमान आँसू तुलसी पुरखा तुला

गाम कै पियारै

आजु गाम मै आनंदी और औतार काम पै निकसै। किसान हिल-मिलिकै काम करिबै लगै। बुआई होन लगी। सबई आनंद मगन है नाचबै-गाइबै लगै।

औतार की घरबारी आनंदी समझदार निकरी। काम की खबर राखै, घरहु सँभारै, ढोरन कूँ पालै। पानी भरै। रोटी-दार बनावै, सबन कूँ खिलावै, आपहु खावै। दिन-राति मगन रहै।

घर मै दूध, दही, घी, माखन सबई भरपूर रहिबै लगै। मिहनत सै आनंदी और औतार दोनोंन कूँ सुख भयो। गाम कै पियारै बनै।

अभ्यास-9

1.1.लिखौ :

आ	आ	___	___	___
औ	औ	___	___	___
त	त	___	___	___
ख	ख	___	___	___

1.2.पढ़ौ औरु लिखौ :

आदमी **औजार** **पिता** **तुलसी**

आरती, औतार दोनों मिलि जुलि कै काम करैं।

आलू, बथुआ, तुरई, हरी तरकारी पैदा करैं।

2.1. आ, औ, त औरु ख जोरिकै सब्दान कूँ पूरो करौ :

....जादी ....सर ....बर कछु....

ताक.... ....घड़ कमर.... भी....र

ल....न ....ली ....रत ....सन

पी....ल ....त ती....र ....कात

3.1. गिनती सीखौ औरु लिखौ :

31 32 33 34 35

36 37 38 39 40

____ ____ ____ ____ ____

____ ____ ____ ____ ____

3.2. नीचे लिखी गिनतान मै जौ कछु छूटि गयो ए, वाये पूरो करौ :

21		23		25
	27			30
31		33	34	
	37			40

पाठ-10

कलेऊ अंकुरित चना

े ऊ अं च
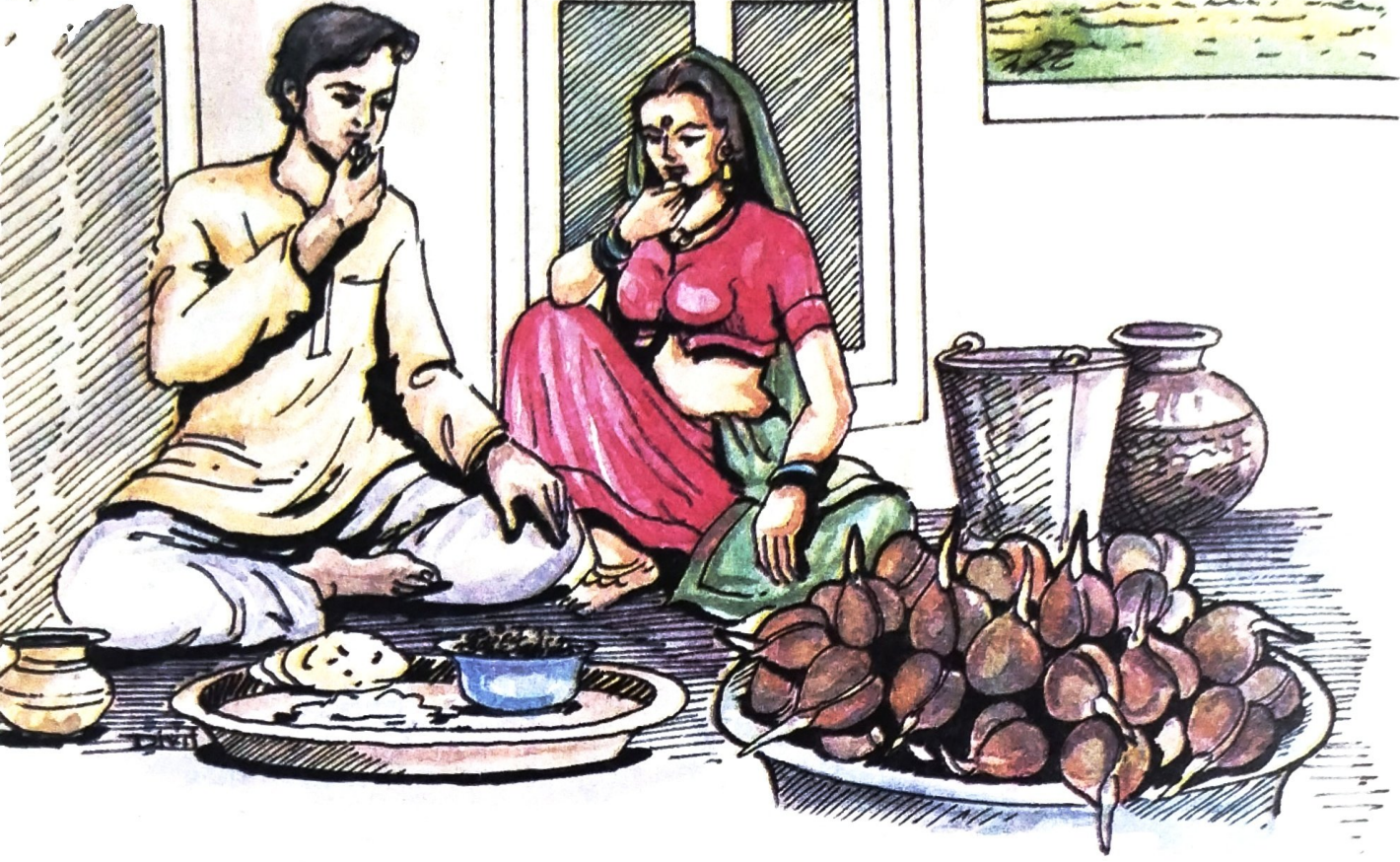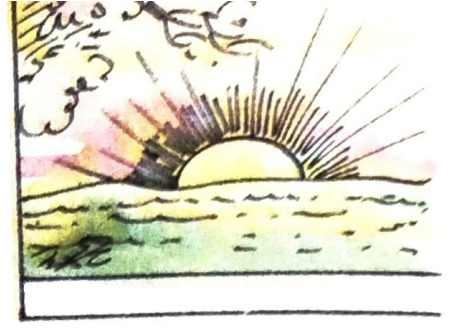
े	पेड़	देवर	सहेली	कनेर
ऊ	ऊन	ऊखल	जड़ाऊ	बलदाऊ
अं	अंग	अंगूठी	अंटी	अंकुर
च	चतुर	चितचोर	चितवन	चुनरी

ऊँचा गऊ कंचुकी अंटसंट दाऊ
केवट ताऊ अंजन ऊपर चकिया
दहेज अंधा अंबार अंदर जलेबी
खेत झमेला खड़ाऊँ अंडा ऊबड़-खाबड़

ताकत दैवे वारो भोजन

बेर और केला नीके फल ऐं, जिनके खायबे तें शरीर कूँ ताकत मिलै। सबहिं लोगन कूँ सेवन करनो चाहिये। चना में शरीर कूँ बनायबे की ताकत होय। अंकुर उपजे चनान में विटैमिन 'सी' हूँ होय। याही सों याकौ कलेऊ सबन कूँ करनो चाहिये।

छोटे बालकन कूँ शरीर बनायबे बारो भोजन लैनो चाहिये। दूध के संग-संग कछू ठोस भोजन हूँ देनो चाहिये। बड़े बालकन कूँ नैक दूध तथा रोटी-दाल कौ भोजन दैनो ठीक ऐ, जि अंगहु बनावै तथा ताकत दैवे वारो हूँ होय। बड़े युवा आदमी कूँ ताकत दैवे वारौ भोजन करनो चाहिये।

अभ्यास-10

1.1. लिखौ :

1.2. नीचे लिखे सब्दान कूँ पढ़ौ औरु लिखौ :

जनेऊ लखनऊ कंचन ऊसर अंगूर

1.3. ' े ' जोरिकै सब्दान कूँ पूरो करौ औरु लिखौ :

सबरा चतावनी पहली मला

2.1. चित्र देखिकै वाकौ नाम लिखौ :
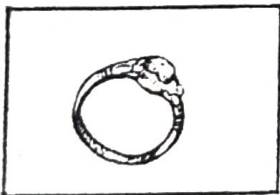
2.2. नीचे लिखै सब्दान मै अक्षरान कूँ क्रम बिगरि गयो ए। वाको सुधारि कै लिखौ :

ऊ ल दा ब ______ हे ली स ______

ला मे झ ______ की कं चु ______

त खे ______ हे द ज ______

3.1 गिनती सीखौ औरु लिखौ :

41 42 43 44 45

46 47 48 49 50

___ ___ ___ ___ ___

___ ___ ___ ___ ___

3.2. नीचे लिखी गिनतान मै क्रम बिगरि गयो ए, बाये सुधारि कै लिखौ :

38 31 40 37 34

32 39 33 36 35

___ ___ ___ ___ ___

___ ___ ___ ___ ___

जाँच पत्र-3 (पाठ 1 से 10 तक के लिए)

1. पढ़ौ :

रस सलोना गोधन जसोदा

लड़की देवर पपीहा अँगूठी

2. समान अक्षरान, सब्दान कौ पहिचानिकै मिलावौ :

स	च	ऊखल	पतीली
ल	स	नाम	साँवरिया
च	ल	पतीली	पाहुन
त	थ	साँवरिया	नाम
थ	त	पाहुन	ऊखल

3. लिखौ :

औतार की घरबारी आनंदी समझदार निकरी। काम की खबर राखै, घरहु सँभारै, ढोरन कूँ पालै।

____

____

____

4. ो, ै, ु , ी औरु ं जोरि कै सब्दान कूँ पूरो करौ :

सम¨सा मया ठाकर झडा मथान¨

5.नीचे लिखी गिनतान मै जो कछू छूट गयो ए, वाये पूरो करौ :

1		3			6		8		10
	12			15		17		19	
21			24		26				30
	32			35			38		40
41			44			47		49	50

नाम ....

पता ....

....

प्रवेश तिथि ....

परीक्षा तिथि ....

अनुदेशक/अनुदेशिका के हस्ताक्षर ....

दिनांक ....

राष्ट्रीय साक्षरता मिशन

कार्यक्रम : ____________________

परियोजना : ____________________

जिला : ____________________ **उत्तर प्रदेश**

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी .... सुपुत्र/पत्नी/सुपुत्री .... ने सन् .... में चलाए गए प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र में ब्रज भारती भाग I को पूरा कर लिया है।

पर्यवेक्षक/प्रेरक　　　　ग्राम प्रधान　　　　अनुदेशक

तारीख ____________